रामचरितमानस का सिद्ध शक्तिशाबर मंत्र -:

By 💖 Prakash Ji 💖

(बिन मांगे मोती दे रहा हूं संभाल कर रखो....)

अजा अनादि सक्ति अबिनासिनि।

सदा संभु अरधंग निवासिनि॥

जग संभव पालन लय कारिनि।

निज इच्छा लीला बपु धारिनि॥

अर्थात ये परमेश्वरी अजन्मा, अनादि और अविनाशिनी शक्ति हैं। सदा शिव के अर्द्धांग में रहती हैं। ये जगत् की उत्पत्ति, पालन और संहार करने वाली हैं; और अपनी इच्छा से ही लीला शरीर धारण करती हैं।

गुप्तनवरात्र में या फिर किसी भी देवी दिनों में इस चौपाई का 108 या 1008 हवन कर दें । जो साधारण हवन सामग्री मिलता है उसी से भी हवन करें । त्रिमधु का उपयोग कर सकते हैं ।भगवती का प्रत्यक्ष आशीर्वाद प्राप्त होता है...., भगवती की कृपा सदैव बनी रहती है । इसी चौपाई में संपूर्ण शक्ति तत्व समाहित है । अद्भुत सुरक्षा की प्राप्ति, देवी कृपा की प्राप्ति, हर प्रकार की मनोकामना बिना मांगे पूरी करने हेतु यह साबर मंत्र अचूक है । एक साथ संपूर्णशक्ति तत्व को प्रसन्न करने की हेतु यह दिव्य मंत्रराज अचूक है । बालक से लेकर वृद्ध तक महिला तक हर कोई इसका पाठ कर सकते हैं जाप कर सकते हैं भजन कर सकते हैं । कोई भी चीज अगर पाना है कोई भी चीज अगर मांगना है तो बस उसके विषय में

चिंतन करो और भगवती का बस गुण कीर्तन करो वह कामना निश्चित रूप से पूरी हो जाएगा वह चीज निश्चित रूप से मिल जाएगा यह इस साबर मंत्र का दुर्लभ चमत्कारिता है । वैसे तो इस साबर मंत्र का गुण को व्याख्या नहीं किया जा सकता । क्योंकि यह साबर मंत्र भोग और मोक्ष दोनों एक साथ दे सकता है । माता पार्वती के समक्ष माता दुर्गा के समक्ष इसका जाप जितना किया जाता है यह उतना और ज्यादा से ज्यादा लाभ देने लग जाता है ।

अमावस्या संक्रांति तथा पुर्णमी को 108 बार या फिर 27 बार हवन करते रहें । 10000 जाप से इसका पूर्ण प्रभाव को देखा जा सकता है । इसके ऊपर पब्लिक पोस्ट में इससे ज्यादा नहीं कहा जा सकता अन्यथा इसका और भी बहुत सारे लाभ है और बहुत सारे प्रयोगविधान है ।

👉Prakash Ji Facebook link